1080520 - B2

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - X
कक्षा - X

HINDI
हिन्दी

(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **12** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. अपठित गद्यांश 5

भारत अनेक साधु-संतो और ऋषि-मुनियों की भूमि रहा है जिन्होंने अपने आदर्शों से मनुष्य को सुख-शांति और संतोष का जीवन बिताने की प्रेरणा दी है। ऐसे ही संतों की श्रेणी में आते हैं तमिलनाडु के संत कवि तिरुवल्लुवर इनके जीवन के बारे में यह कहा जाता है कि इनके माता-पिता आदि और भगवन ने इनको पैदा होने के बाद छोड़ दिया था। इनका पालन पोषण एक जुलाहा दम्पति ने किया था जिन्हे यह बालक पत्तों पर लेटा हुआ मिला था। ये जुलाहा दम्पति वल्लुव जाति के थे। वल्लुव घर में पालन होने के कारण बालक का नाम वल्लुवर पड़ा। अपने धार्मिक भावों के कारण वे तिरुवल्लुवर कहलाए। 'तिरू' तामिल भाषा का शब्द है जो हिन्दी श्री के लिए प्रयुक्त होता है।

तिरुवल्लुवर की पत्नी वासुकी बहुत ही गुणवती और विदुषी थीं। आजीविका के लिए इन्होंने अपना पैतृक व्यवसाय ही अपनाया। दोनों पति-पत्नी सादा जीवन व्यतीत करते हुए परोपकार का कार्य करते। एक बार एक सन्यासी इनके घर आया। उनका विश्वास था कि नारी के साथ रहकर ईश्वर भक्ति नहीं हो सकती परंतु वासुकी और तिरुवल्लुवर का एक दूसरें के प्रति प्रेम, निष्ठा और सहयोग भाव के साथ ईश्वर भक्ति से अनुरक्ति देखकर नारी जाति के प्रति उनकी दुर्भावना तिरोहित हो गई। विदा होते समय संन्यासी ने वासुकी के चरण स्पर्श किए।

उपर्युक्त गद्यांश को पढकर सही विकल्प चुनकर लिखिए -

(क) मनुष्य को सुख-शांति और संतोष का जीवन बिताने की प्रेरणा कौन देता है ? 1

(i) हमारा जीवन। (ii) हमारा भारत।

(iii) साधु - संतो के आदर्श। (iv) मनुष्य स्वयं।

(ख) तिरुवल्लुवर को जन्म देने वाले माता - पिता कौन थे ? 1

(i) अज्ञात लोग। (ii) आदि और भगवन।

(iii) तमिलनाडु के संत। (iv) शांति और संतोष।

(ग) तिरुवल्लुवर का नाम वल्लुवर क्यों पड़ा ? 1

(i) माता - पिता के अज्ञात होने के कारण।

(ii) वल्लुव जाति में पालन - पोषण के कारण।

(iii) संतो के नामकरण के कारण।

(iv) पत्तों पर लेटा हुआ मिलने के कारण।

(घ) तिरुवल्लुवर का पैतृक व्यवसाय क्या था ? 1

(i) शिक्षा देना। (ii) कवि - कर्म करना।

(iii) जुलाहे का काम करना। (iv) संतो की सेवा करना।

(ङ) नारी जाति के प्रति दुर्भावना रखनेवाले संन्यासी के विचार किस प्रकार बदले ? 1

(i) वासुकी और तिरुवल्लुवर की ईश्वर भक्ति से अनुरक्ति देखकर।

(ii) वासुकी और तिरुवल्लुवर को पैतृक व्यवसाय अपनाते देखकर।

(iii) वासुकी के चरणस्पर्श कर।

(iv) गुणवान और विदुषी वासुकी को देखकर।

2. अपठित गद्यांश **5**

अपनी जीवन मूल्यों की पोषक परंपरा के लिए हमारा भारतवर्ष वैदिक काल से ही सम्पूर्ण विश्व में ज्ञान और शिक्षा का संवाहक रहा है। अपनी अप्रतिम मेधा के बल पर इस देश के मनीषियों एवं प्रबुद्ध चिंतकों ने सम्पूर्ण धरती के ज्ञान पिपासुओं को अपनी ओर आकृष्ट किया। सूचना क्रांति के वर्तमान युग में शिक्षा मानव के अस्तित्व का प्रतीक बन गई है। अशिक्षा और निरक्षरता जहाँ एक और विकास की गति को अवरुद्ध करती है वहीं मानव की सोच उसकी वैचारिक क्षमताओं को भी संकीर्ण करती है। निरक्षरता के उन्मूलन और साक्षरता के प्रसार का अभियान इस राष्ट्र के लिए नई बात नहीं है। यहाँ तो युगों पूर्व ही घोषणा कर दी गई थी – 'माता शत्रु पिता वैरी येन बालो न पाठित:' अर्थात बच्चों को शिक्षा न देने वाले माता – पिता को शत्रु कहा गया है। ऋषियों के आश्रमों – गुरुकुलों से निरन्तर जलता शिक्षा का मणिदीप इस राष्ट्र की संस्कृति की पावनधारा को निरन्तर ऊर्जा व प्रकाश प्रदान करता रहेगा।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर नीचे लिखे सही विकल्पों को चुनकर लिखिए –

(क) भारतवर्ष सम्पूर्ण विश्व में किसका संवाहक रहा है ? **1**

(i) ज्ञान और शिक्षा का। (ii) जीवन मूल्यों का।

(iii) परंपराओं का। (iv) मूल्यों का पोषक।

(ख) धरती के ज्ञानपिपासुओं को भारतीय मनीषियों ने कैसे आकृष्ट किया ? **1**

(i) जीवन मूल्यों के बल पर। (ii) ज्ञान और शिक्षा के बल पर।

(iii) प्रबुद्ध चिंतकों के बल पर। (iv) अपनी अप्रतिम मेधा के बल पर।

(ग) विकास की गति को अवरुद्ध कौन करते है ? **1**

(i) ज्ञान पिपासु। (ii) अशिक्षा और निरक्षरता।

(iii) प्रबुद्ध चिंतक। (iv) संवाहक।

(घ) यहाँ युगों पूर्व क्या घोषणा की गई थी ? **1**

(i) निरक्षरता विकासगति को अवरुद्ध करती है।

(ii) अपनी जीवनमूल्यों की पोषक परंपरा है।

(iii) बच्चों को शिक्षा न देनेवाले माता – पिता शत्रु हैं।

(iv) ज्ञान और शिक्षा के संवाहक है।

(ङ) लेखक ने मणिदीप किसे कहा है? **1**

(i) जीवन मूल्यों को। (ii) शिक्षा को।

(iii) राष्ट्र की संस्कृति को। (iv) साक्षरता प्रसार अभियान को।

3. अपठित पद्यांश 5

अंधकार की गुहा सरीखी उन आँखों से डरता है मन,
भरा दूर तक उनमें दारुण दैन्य दुख का नीरव रोदन।
वह स्वाधीन किसान रहा, अभिमान भरा आँखो में इस का
छोड़ उसे मँझधार आज संसार कगार सदृश वह खिसका।
लहराते वे खेत दृगों में हुआ बेदखल वह अब जिन से
हँसती थी उसके जीवन की हरियाली जिनके तृन - तृन से!
आँखों ही में घूमा करता वह उसकी आँखो का तारा
कारकुनों की लाठी से जो गया जवानी ही में मारा।
बिना दवादर्प के घरनी स्वरग चली - आँखे आती भर
देख - रेख के बिना दुध मुँही बिटिया दो दिन बाद गई मर।

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़ कर नीचे लिखे प्रश्नों के वैकल्पिक उत्तर छाँटिए -

(क) कवि का मन जिन आँखों से डरता है वे कैसी हैं? 1

(i) डरावनी आँखें। (ii) अंधकार सी काली।
(iii) अंधकार की गुफा सी। (iv) अंधकार सी दारुण।

(ख) जिन आँखों का वर्णन कवि ने किया है वे किसकी आँखें है? 1

(i) किसान की। (ii) अंधकार की।
(iii) नीरव रोदन की। (iv) स्वाधीन भारत की।

(ग) किसान की आँखों में अब भी क्या लहराता है ? 1

(i) दैन्य दुख का दारुण रोदन। (ii) अपने खेत जिनसे वो बेदखल किया गया।
(iii) स्वाधीनता का अभिमान। (iv) वह संसार जो कगार सदृश खिसक गया।

(घ) इस पद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए - 1

(i) किसान की पीड़ा। (ii) दारुण दुख।
(iii) वे आँखें। (iv) जीवन का अंधकार।

(ङ) किसान का बेटा कहाँ गया ? 1

(i) तारा बन गया। (ii) देख-रेख के बिना मर गया।
(iii) विना दवा- दर्पन के स्वर्ग सिधारा। (iv) कारकुनों की लाठियों से मारा गया।

4. अपठित पद्यांश **5**

ज्यों निकल कर बादलों की गोद से
थी अभी इक बूँद कुछ आगे बढ़ी।
सोचने फिर-फिर यही जी में लगी,
आह ! क्यों घर छोड़कर मैं यूँ कढी।
देव मेरे भाग्य में है क्या बदा,
मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में।
बह उठी उस काल इक ऐसी हवा,
वह समंदर ओर आई अनमनी।
एक सुंदर सीप का था मुँह खुला
वह उसी में जा गिरी मोती बनी।

लोग अकसर हैं झिझकते सोचते,
जबकि उनको छोड़ना पड़ता है घर।
किन्तु घर का छोड़ना अकसर उन्हें,
बूँद लौं कुछ और ही देता है कर।

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नो के सही विकल्प छाँटिए -

(क) बूँद की चिन्ता का विषय क्या है ? **1**

(i) बादलों की गोद। (ii) हवा का बहना।
(iii) मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में। (iv) समंदर की ओर आना।

(ख) बूँद का घर कौन सा था ? **1**

(i) बादल (ii) हवा
(iii) समंदर (iv) सीप

(ग) बूँद को समंदर की ओर कौन लाया ? **1**

(i) समंदर (ii) बादल
(iii) हवा (iv) धूल

(घ) बूँद मोती कैसे बन गई ? **1**

(i) धूल में मिलकर। (ii) बादलों से निकल कर।
(iii) घर छोड़कर। (iv) सीपी में गिरकर।

(ङ) लोग कब झिझकते - सोचते हैं ? **1**

(i) समंदर की ओर जाने पर। (ii) घर छोड़ने पर।
(iii) धूल में मिलकर। (iv) मोती बनने पर।

खंड 'ख'

5. (i) निम्नलिखित में से अविकारी शब्द है - 1

(क) संज्ञा (ख) क्रिया

(ग) क्रिया विशेषण (घ) विशेषण

(ii) लड़के ने किताब पढ़ी - में रेखांकित को कहेंगे - 1

(क) पद (ख) क्रिया

(ग) संज्ञा (घ) सर्वनाम

(iii) सदा प्रसन्न रहनेवाले तुम आज उदास क्यों हो ? रेखांकित पदबंध का भेद है - 1

(क) संज्ञा पदबन्ध (ख) विशेषण पदबन्ध

(ग) सर्वनाम पदबन्ध (घ) क्रिया विशेषण पदबन्ध

(iv) तितलियाँ फूलों पर मँडरा रही थीं - रेखांकित पदबंध का भेद है - 1

(क) क्रिया विशेषण पदबन्ध (ख) क्रिया पदबन्ध

(ग) सर्वनाम पदबन्ध (घ) विशेषण पदबन्ध

6. (i) उसने परेश को बहुत समझाया - रेखांकित का पद परिचय दीजिए - 1

(क) सर्वनाम - जातिवाचक, एकवचन, कर्म कारक, समझाया क्रिया का कर्ता

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, कर्ता कारक, समझाया क्रिया का कर्ता

(ग) सर्वनाम, एकवचन, कर्मकारक

(घ) व्यक्तिवाचक सर्वनाम, कर्मकारक, एकवचन

(ii) हम देश पर सर्वस्व न्यौछावर करने को तैयार हो जाते हैं - रेखांकित का पद-परिचय लिखिए - 1

(क) क्रिया विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, तैयार क्रिया के क्रिया विशेषण।

(ख) क्रिया विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'हम' क्रिया के कर्ता।

(ग) क्रिया - अकर्मक, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्त्तृवाच्य।

(घ) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्त्तृवाच्य, वर्तमान काल 'हम' कर्ता की क्रिया।

(iii) 'शीघ्र चलिए अन्यथा देर हो जाएगी' – रचना के आधार पर वाक्य का भेद है – **1**

(क) मिश्र वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) सरल वाक्य (घ) विधानवाचक वाक्य

(iv) 'परिश्रमी छात्र कभी असफल नहीं होता' का मिश्र वाक्य है – **1**

(क) जो छात्र परिश्रमी होता है वह कभी असफल नहीं होता।

(ख) छात्र ने परिश्रम किया इसलिए सफल हो गया।

(ग) असफल नहीं होता परिश्रमी छात्र।

(घ) वह छात्र परिश्रमी है और कभी असफल नहीं होता।

7. (i) 'बच्चे ने शेर को देखा और ड़र गया' – रचना के आधार पर वाक्य भेद है – **1**

(क) सरल (ख) संयुक्त

(ग) मिश्रित (घ) विस्मयादिबोधक

(ii) निम्नलिखित में मिश्रित वाक्य है – **1**

(क) स्टेशन पहुँचते ही उसने टेलीफ़ोन किया।

(ख) वह स्टेशन पहुँचा और उसने टेलीफ़ोन किया।

(ग) जैसे ही वह स्टेशन पहुँचा वैसे ही उसने टेलिफ़ोन किया।

(घ) उसने स्टेशन पहुँचते ही टेलीफ़ोन किया।

(iii) 'स्वेच्छा' का संधि – विच्छेद है – **1**

(क) सह + एच्छा (ख) स्व + इच्छा

(ग) सु + एच्छा (घ) स्व + एच्छा

(iv) 'भानूदय' का संधि विच्छेद है – **1**

(क) भानू + दय (ख) भानू + उदय

(ग) भानु + दय (घ) भानु + उदय

8. (i) 'पितृ + आदेश' की संधि है - 1

(क) पित्रादेश (ख) पितृदेश

(ग) पितृआदेश (घ) पितार्देश

(ii) 'परलोकगमन' समस्तपद का विग्रह है - 1

(क) परलोक से गमन (ख) परलोक द्वारा गमन

(ग) परलोक को गमन (घ) परलोक में गमन

(iii) 'महान देव' का समस्त पद है - 1

(क) मानदेव (ख) महानदे

(ग) महानदेव (घ) महादेव

(iv) निम्नलिखित किस समस्तपद में कर्मधारय समास है - 1

(क) पथभ्रष्ट (ख) महाराजा

(ग) राजपुत्र (घ) गुरुदत्त

9. (i) 'सुध बुध खोना' का अर्थ है - 1

(क) होश न रहना। (ख) विचार न करना।

(ग) सब खो जाना। (घ) सोच न पाना।

(ii) इस मामले में बड़े - बड़े गुणी भी _____ हैं - रिक्तस्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे से कीजिए - 1

(क) अमल करते। (ख) बुनियाद मज़बूत करते।

(ग) आगाह कर देते। (घ) चक्कर खा जाते।

(iii) 'नंगी तलवार लटकना' का अर्थ है - 1

(क) कुछ गड़बड़ होना। (ख) भय बना रहना।

(ग) गायब हो जाना। (घ) हार जाना।

(iv) हम छोटे हैं तो क्या कोई भी _____ हमें कुछ भी कहकर चला जाएगा ? - रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए। 1

(क) रंग दिखाकर (ख) दबे पाँव आकर

(ग) ऐरा गैरा नत्थू खैरा (घ) नत मस्तक होकर

खंड 'ग'

10. किसी एक पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए –

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश
पल – पल परिवर्तित प्रकृति वेश।
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र दृग सुमन फाड़
अवलोक रहा है बार – बार
नीचे जल में निज महाकार,
जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण सा फैला है विशाल।

(i) उपर्युक्त पंक्तियों में किस ऋतु का वर्णन है? **1**

(क) ग्रीष्म (ख) वर्षा
(ग) शरद (घ) शिशिर

(ii) पर्वतों का आकार कैसा है? **1**

(क) ढालदार (ख) मोतियों की माला से
(ग) परिवर्तित रुप में (घ) करधनी के आकार में

(iii) उपर्युक्त पंक्तियों के कवि कौन हैं? **1**

(क) मैथिली शरण गुप्त (ख) महादेवी वर्मा
(ग) सुमित्रानंदन पंत (घ) शैलेन्द्र

(iv) पर्वत किस से देख रहा है? **1**

(क) तालाब से (ख) पावस से
(ग) पुष्प रूपी नेत्रों से (घ) मेखलाकार से

(v) ताल के विषय में क्या कहा गया है? **1**

(क) चरणों के आकार में फैला है। (ख) दर्पण के समान फैला।
(ग) मेखला सा फैला। (घ) महाकार सा फैला।

अथवा

निंदक नेड़े राखिये, आँगणि कुटी बँधाइ।
बिन साबण पांणी बिना, निरमल करै सुभाई।।
पौथी पढ़ि-पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोई
ऐकै आषिर पीव का, पढ़ै, सु पंडित होइ।।

(i) कवि निंदक को कहाँ रखने का परामर्श दे रहा है ? **1**

(क) अपने से दूर कुटिया में। (ख) किसी के आँगन में कुटी बनाकर।

(ग) अपने पास। (घ) अपने पास आँगन में कुटी बनाकर

(ii) निंदक हमारे लिए क्या करता है ? **1**

(क) वह हमारी निंदा करता है। (ख) वह हमारे स्वभाव को निर्मल बना देता है।

(ग) वह साबुन पानी लगाता है। (घ) साबुन पानी के बिना रहता है।

(iii) कवि क्या पढ़ने को कहते हैं ? **1**

(क) पुस्तकें पढ़ने को। (ख) एक अक्षर पढ़ने को।

(ग) ईश्वर के प्रेम का एक अक्षर। (घ) पोथियाँ पढ़ने को।

(iv) 'पंडित' से कवि का क्या तात्पर्य हैं ? **1**

(क) जाति विशेष (ख) पूजा - पाठ करने वाला।

(ग) पूर्ण ज्ञानी (घ) पोथियाँ पढ़ने वाला।

(v) प्रस्तुत पंक्तियों की भाषा कौन सी है ? **1**

(क) सधुक्कड़ी (ख) अवधी

(ग) ब्रज (घ) खड़ीबोली

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के संक्षिप्त उत्तर लिखिए - **2.5x2=5**

(क) बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है ?

(ख) लेखक ने ऐसा क्यों लिखा कि 'तीसरी कसम' ने साहित्य रचना के साथ शत प्रतिशत न्याय किया है।

(ग) सुभाष बाबू ने किस अमर दिन की स्मृति में, कब और कैसे जुलूस निकाला ?

(घ) रुढियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है। क्यों ? स्पष्ट कीजिए।

12. बड़े भाईसाहब की स्वभावगत विशेषताएँ क्या थीं उनमें से छोटे भाई को किस से सहायता मिली ? **5**

अथवा

'डायरी का पन्ना' पाठ का प्रतिपाद्य क्या है ? अपने शब्दों में लिखिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

वहाँ एक सुंदर सा गाँव था। पास में एक सुंदर और शक्तिशाली युवक रहा करता था। उसका नाम था ततॉंरा। निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। ततॉंरा एक नेक दिल और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। अपने गाँव वालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते थे। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा - भागा वहाँ पहुँच जाता। दूसरे गाँवों में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रुप से आमंतित्र किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते। पारंपरिक पोशाख के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकडी की तलवार बाँधे रहता। लोगो का मत था, बाबजूद लकडी की होने पर, उस तलवार में अद्‌भुत दैवीय शक्ति थी। ततॉंरा अपनी तलवार को कभी अलग न होने देता। उसका दूसरों के सामने उपयोग भी न करता किंतु उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग - बाग तलवार में अद्‌भुत शक्ति का होना मानते थे। ततॉंरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी।

(क) इस गद्यांश में किस युवक का वर्णन है उसकी चारित्रिक विशेषताएँ क्या थीं ? **2**

(ख) उसकी तलवार के विषय में लोगों का क्या मत था ? **2**

(ग) लोग उसके करीब क्यों रहना चाहते थे ? **1**

अथवा

मगर टाइम-टेबिल बना लेना एक बात है, उस पर अमल करना दूसरी बात। पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरु हो जाती है। मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हल्के हल्के झोंके, फुटबॉल की वह उछलकुद, कबड्डी के वे दाँव - घात, वालीबाल की वह तेजी और फुरती, मुझे अज्ञात और अनिवार्य रुप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सबकुछ भूल जाता। वह जानलेवा टाइम-टेबिल, वह आँख फोड़ पुस्तकें किसी की याद न रहती और भाईसाहब को नसीहत और फजीहत का अवसर मिल जाता। मैं उनके साचे से भागता, उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता, कमरे में इस तरह दबे पाँव आता कि उन्हें खबर न हो उनकी नज़र मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले। हमेशा सिर पर नंगी तलवार सी लटकती मालूम होती। फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकढ़ा रहता है, मैं फटकार और घुडकियाँ खाकर भी खेल - कूद का तिरस्कार न कर सकता था।

(क) टाइम - टेबिल पर अमल न होने के क्या कारण थे ? **2**

(ख) लेखक भाई साहब की आँखों से दूर रहने का प्रयास क्यों करता था ? **2**

(ग) 'मौत और विपत्ति के बीच' लेखक क्या करना पसंद करता था ? **1**

14. (क) मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं ? स्पष्ट कीजिए। **2**

(ख) 'धँस गए धरा में समय शाल' की कल्पना को स्पष्ट कीजिए। **2**

(ग) 'तोप' कविता में गौरैयें क्या बात बताती हैं ? **1**

15. 'हरिहर काका' कहानी समाज के किस कटु सत्य को उजागर करती है – स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

लेखक हरिहर काका की ज़िंदगी के साथ कैसे जुड़ा है ? लेखक इसके क्या क्या कारण बताता है ?

16. हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगते है ? 2

खंड 'घ'

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग **100** शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए – 5

(क) मोबाइल फ़ोन –

* भूमिका
* मोबाइल फ़ोन – वर्तमान स्वरुप
* लाभ
* हानियाँ
* उपसंहार

(ख) विद्यार्थियों पर दूरदर्शन का प्रभाव –

* प्रस्तावना
* शिक्षा माध्यम के रूप में
* सकारात्मक प्रभाव
* मनोरंजन, ज्ञान
* नकारात्मक पक्ष
* निष्कर्ष

(ग) भारतीय किसान –

* भारत के गाँव – वर्तमान स्थिति
* किसान का जीवन
* किसान की दशा
* अवस्था सुधार के प्रयत्न
* प्रयत्नों में ईमानदारी
* उपसंहार

18. किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को अपने शहर की बसों की बिगड़ती व्यवस्था पर पत्र लिखिए। 5

अथवा

परीक्षा में प्राप्त उपलब्धि का उल्लेख करते हुए छात्रवृत्ति के लिए प्रधानाचार्य को आवेदन-पत्र लिखिए।

- o O o -